सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर
मालवीय नगर

Follow us :

shrikrishnamandir158

@ShriKrishnaMandir-i2r

shrikrishnamandir158@gmail.com

www.shrikrishnamandirmn.com

punjab national bank

9899301704m@pnb

BHIM UPI

श्री कृष्ण मंदिर
मालवीय नगर

द्वारा संचालित

❁ उपरोक्त QR CODE द्वारा ❁

॥ सहयोग प्रदान करे। ॥

सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर

श्री कृष्ण मन्दिर
K-15, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017

स्वच्छता, पवित्रता व ईमानदारी का प्रतीक

श्री भगवत नाम लेखन पुस्तिका

ग्यारह हजार नाम

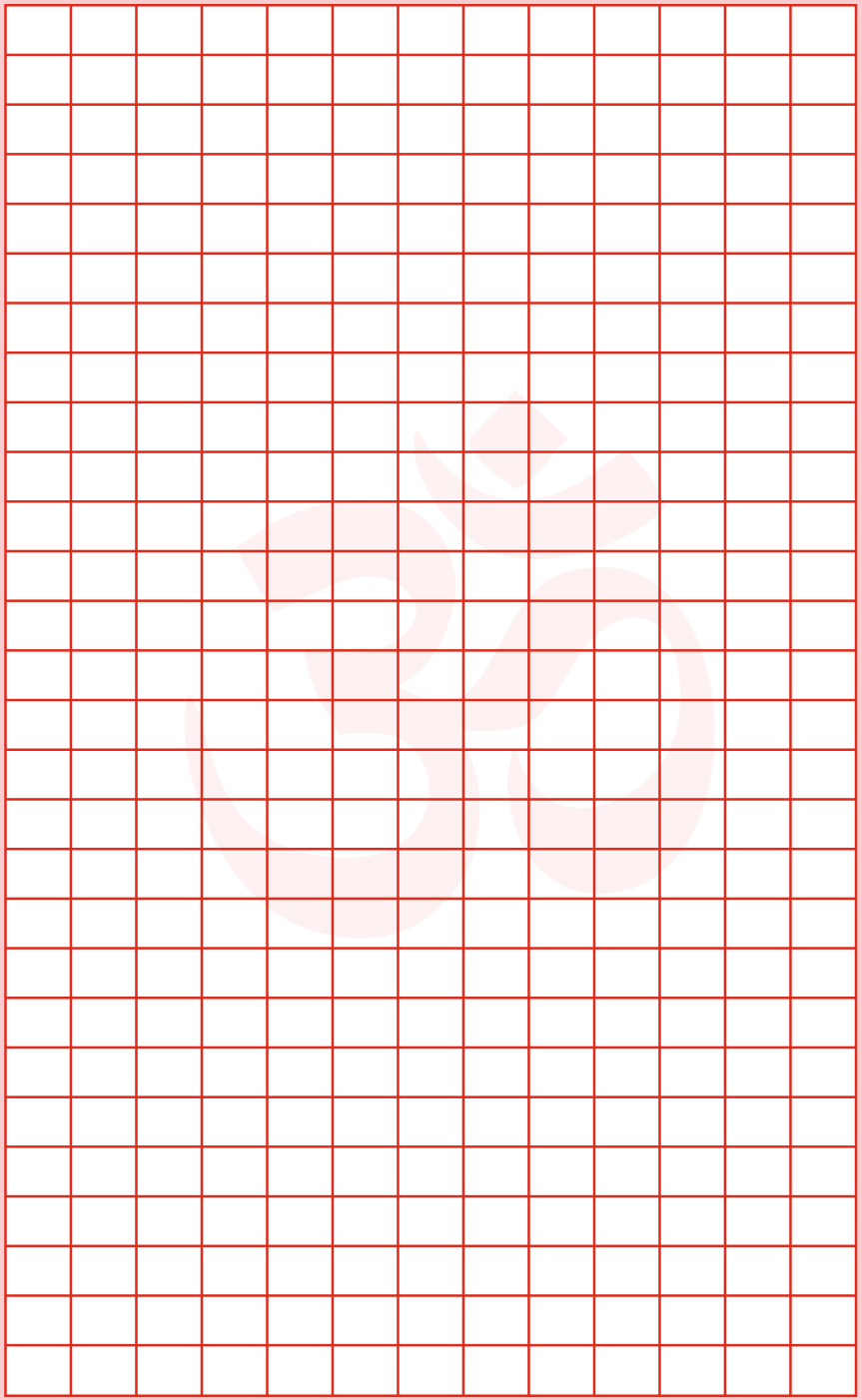

सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर

स्वच्छता, पवित्रता व ईमानदारी का प्रतीक

- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार “सिद्ध पीठ” वह पवित्र स्थान माना जाता है जहाँ निरन्तर साधना, जप, तप, अनुष्ठान, हवन एवं धार्मिक पाठ के माध्यम से आध्यात्मिक सिद्धि की अनुभूति होती है। सिद्धि का मूल आधार श्रद्धा, साधना एवं जनकल्याण माना गया है।
- धार्मिक भावना एवं परम्परा के अनुरूप श्रीकृष्ण मन्दिर, खिड़की एक्सटेंशन, मालवीय नगर में निरन्तर धार्मिक अनुष्ठानों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन मन्दिर के सभी आचार्यों, सेवादारों, पदाधिकारियों, आदरणीय यजमानों व भक्तजनों के मंगलमय सहयोग से "सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर" बनाने का कार्य पुरुषोत्तम माह से शुरु किया गया।
- सिद्ध पीठ का स्वरूप किसी सरकारी अथवा संस्थागत प्रमाण-पत्र से निर्धारित नहीं होता। धार्मिक मान्यता में यह श्रद्धा, साधना, आध्यात्मिक अनुभूति एवं जन-आस्था से जुड़ा विषय है।
- भक्ति, जप, तप, हवन, अभिषेक, सेवा, साधना और श्रद्धा—यही सिद्धि की आधारशिला है।

श्रीकृष्ण मन्दिर पृष्ठभूमि

- मन्दिर में श्री कृष्ण दरबार, श्री राम दरबार, श्री लक्ष्मी नारायण दरबार, श्री शिव परिवार, श्री मॉ दुर्गा जी, श्री हनुमान जी, श्री नवग्रह देवता, श्री शनिदेव जी, श्री शनि शिला जी व मां बगलामुखी के पावन दरबारों से सुशोभित एक प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक केन्द्र है।
- हमारे पूर्वजों के अनुसार दिनांक 15.08.2026 को श्रीकृष्ण मन्दिर ने अपनी स्थापना के 48 वर्ष पूरे कर लिए है।
- मन्दिर परिसर में धार्मिक व सामाजिक कार्यों के लिए वातानुकूलित सत्संग हाल, अक्रिया ध्यान कक्ष, यज्ञशाला, भण्डारा हेतू रसोई की सभी सुविधाएं उपलब्ध है।
- मन्दिर में सभी धार्मिक पर्व, कथा-पाठ, सत्संग, हवन, अक्रिया ध्यान, अभिषेक, मन्त्र जाप इत्यादि तथा विभिन्न चैरिटेबल एवं चिकित्सा सेवाएँ आदि संचालित की जाती हैं।

साधना के साथ जनकल्याण

108 दिवसीय धार्मिक समारोह में कथा, जप, पाठ, हवन एवं अनुष्ठानों के साथ अन्नदान, भण्डारा एवं चिकित्सा सेवा के माध्यम से जनकल्याण के सभी तरह के निम्न लिखित धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन सफल रुप से किया गया। भक्तजनों की आस्था, श्रद्धा, भक्ति के आधार पर मुक्ति का मार्ग प्राप्त करना एवं आध्यात्मिक अनुभूतियों ने इस पावन संकल्प व सिद्धि के आधार को और अधिक बलशाली बना दिया।

108 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम

धार्मिक मान्यातओं के अनुसार "सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर" को बनाने की प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए श्रीकृष्ण मन्दिर के आचार्यों, अनुभवी भक्तजनों व यजमानों द्वारा इस आध्यात्मिक यात्रा को पूर्ण करने के लिए, लगातार 108 दिन तक कथा-जाप, हवन, पाठ का आयोजन सफ़लतापूर्वक किया गया जो इस प्रकार है

- 17 मई–16 जून, 2026 श्री नारद पुराण कथा व सत्संग।
- 17 जून–28 जून, 2026 श्री हनुमद कथा व सत्संग।
- 29 जून, 2026 श्री सत्यनारायण व्रत कथा एवं पूजा व दुर्गा स्तुति पाठ।
- 30 जून, 2026 हनुमान चालीसा चलिया के आठ मंगलवारों के पाठ का समापन।
- 01 जुलाई–12 अगस्त, 2026 कलश यात्रा एवं शिव महापुराण कथा एवं सत्संग।
- 13 अगस्त–28 अगस्त, 2026 श्री रामचरितमानस कथा एवं सत्संग।
- 29 अगस्त–31 अगस्त 2026 माँ बगलामुखी महायज्ञ।
- 01 सितम्बर, 2026 सम्पूर्ण हवन एवं “सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर” की घोषणा।

सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर की घोषणा व संकल्पः

धार्मिक मान्यताओं एवं परम्पराओं में वर्णित आधारों तथा निर्धारित धार्मिक प्रक्रियाओं का श्रद्धापूर्वक पालन करते हुए, श्रीकृष्ण मन्दिर संस्था एवं उपस्थित आदरणीय यजमानों, सहयोग कर्ता, भक्तजनों के अतुलनीय सहयोग से 108 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान, कथा, जप, पाठ, **हवन, अखण्ड ज्योत प्रज्वलन, श्री भगवत नाम लेखन पुस्तिका विमोचन** एवं जनकल्याणकारी सेवाओं की सफल पूर्णाहुति ईश्वरीय कृपा से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

इसके उपरान्त, संस्था के पदाधिकारियों एवं सभी उपस्थित आदरणीय यजमानों, सहयोग कर्ता, भक्तजनों के सहयोग व उनकी शुभकामनाओं की अपेक्षा सहित तथा सर्वसम्मति भक्तिभाव एवं ईश्वर के मंगलमय आशीर्वाद से मन्दिर के आचार्यों के द्वारा श्रीकृष्ण मन्दिर को दिनांक 01-09-2026, को “सिद्ध पीठ श्रीकृष्ण मन्दिर” के रूप में प्रतिष्ठित करने की घोषणा की गई।

सभी उपस्थित यजमान गण, भक्तजनों के सहयोग व मार्ग-दर्शन से तथा ईश्वरीय आशीर्वाद से—

- मन्दिर की सभी धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों (विशेषकर कथा-पाठ, मन्त्र जाप, तप, अखण्ड जोत, यज्ञ और अक्रिया ध्यान व अभिषेक के माध्यम से) को और आगे बढ़ाएँगे। सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करेंगे **तथा** और ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।
- अन्नदान एवं चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करेंगे।
- जरूरतमंद, वृद्ध एवं भक्तों की सेवा को प्राथमिकता देंगे।
- मन्दिर को धर्म, सेवा, संस्कार एवं जनकल्याण का केन्द्र बनाने का निरन्तर प्रयास करेंगे।
- बच्चों, माताएं, बहनों, पूर्वजों और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस पावन धरोहर को सुरक्षित एवं समृद्ध बनाएँगे।

निवेदकः

बानूराम तनेजा	सतीश कुमार वर्मा	सतीश कुमार नांगिया	सूर्य प्रकाश कक्कड़
मुख्य संरक्षक	चेयरमेन एवं प्रधान	सचिव	कोषाध्यक्ष